स्थानीय किसानों के लिए काफल का नर्सरी स्टॉक तैयार करने विषय पर हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला में प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन दिनांकः 27.2.2017

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा स्थानीय किसानों के लिए दिनांक 27.2.2017 को **"काफल में नर्सरी का स्टॉक तैयार करने"** पर संस्थान में एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया । जिसमें आस-पास की पंचायतों से **31** किसानों ने भाग लिया । इस प्रशिक्षण का आयोजन काफल को लेकप्रिय बनाने के लिए किया गया । काफल एक महत्वपूर्ण जंगली पौधा है जिससे किसानों के आय में बढ़ोतरी हो सकती है ।

डा० संदीप शर्मा, वैज्ञानिक -एफ एवं प्रशिक्षण समन्वयक ने मुख्य अतिथि विशेषज्ञ तथा प्रतिभागियों का स्वागत किया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री एस०पी० नेगी आई०एफ०एस०, वन अरन्यपाल, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला ने अपने संम्बोधन में किसानों के लिए काफल एवं अन्य समशितोषण वानिकी प्रजातियों के बीज एवं नर्सरी तकनीकों के ज्ञान एवं कौशल वर्धन के महत्व पर प्रकाश डाला । डा० संदीप शर्मा, वैज्ञानिक एफ ने संस्थान की गतिविधियों तथा इस प्रशिक्षण / प्रदर्शन कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न मुद्दों के बारे में होने वाली चर्चा के बारे में बताया ।

प्रातःकालिन तकनीकी सत्र के दौरान डा० संदीप शर्मा, वैज्ञानिक -एफ एवं प्रशिक्षण समन्वयक ने आधुनिक नर्सरी तकनीक जैसे कि वर्मी कंपोस्टिग एवं कंपोस्टिंग के बारे में विस्तार से चर्चा की । श्री पी० एस० नेगी, वैज्ञानिक सी ने वानिकी प्रजातियों के बीजों के रख-रखाव तथा बुआई पूर्व तकनीकों पर व्याख्यान दिया तथा संस्थान द्वारा विकसित जुनीपर बीज तकनीको के बारे में बताया । इस सत्र में अंतिम व्याख्यान डॉ संदीप शर्मा, वैज्ञानिक ने काफल का नर्सरी स्टॉक तैयार करने की तकनीक पर दिया ।

दोपहर उपरान्त सत्र में आदर्श नर्सरी बडागाँव शिमला में प्रतिभागियों का क्षेत्रिय भ्रमण करवाया गया । नर्सरी के भ्रमण के दौरान वर्षा जल संग्रहण तथा जल ग्रहण क्षेत्र विकास से संबन्धित विभिन्न मुद्दो पर प्रतिभागियों से चर्चा की । मॉडल नर्सरी बडागाँव में काफल, देवदार, पहाडी बाँस और चौरा का नर्सरी स्टॉक तैयार करने की विभिन्न तकनीकों के बारे में जानकारी दी । इसके अलावा कलम तकनीक द्वारा देवदार के प्रयोंगो के बारे में प्रतिभागियों को जानकारी दी । संस्थान के डॉ० संदीप शर्मा, वैज्ञानिक श्री पी०एस० नेगी, वैज्ञानिक श्री रमेश कैन्थल, वन दरोगा और श्री प्रदीप कुमार, क्षेत्रिय सहायक ने प्रतिभागियों को भ्रमण करवाया ।

मॉडल नर्सरी बडागाँव में प्रशिक्षण सत्र का समापन हुआ जिसमें प्रतिभागियों ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे मे अपने विचार स्वतत्र रूप से रखें तथा भविष्य में भी इस तरह के आयोजन स्थानीय किसानों के ज्ञान एवं कौशल वर्धन हेतु करने का आग्रह किया । प्रशिक्षण का विधिवत समापन डॉ संदीप शर्मा, प्रशिक्षण समन्वयक द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव से हूआ । उन्होंने इस प्रशिक्षण को सफल बनाने के लिए पुजारली पंचायत के उप-प्रधान, का सहयोग देने के लिए धन्यवाद किया ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम की झलकियां

मीडिया कवरेज

दैनिक भास्कर **28/02/2017**

कार्यशाला एचएफआरआई में प्रशिक्षण और प्रदर्शनी पर एक दिवसीय कार्यशाला लगी

काफल की पौध तैयार करने की जानकारी दी

सिटी रिपोर्टर | शिमला

एचएफआरआई नर्सरी में काफल की पौध तैयार करने विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन संस्थान में किया गया। शुभारंभ संस्थान के वन अरण्यपाल एसपी नेगी ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में प्रतिभागियों का इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़ कर भाग लेने के लिए आभार जताया।

इस दौरान काफल की पौधरोपण तकनीक, एवं अन्य वृक्ष प्रजातियों पर संस्थान की ओर से किए गए शोध कार्यों से लाभान्वित होकर अपनी आजीविका को मजबूत करने पर बल दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक व एचएफआरआई के वैज्ञानिक डॉ. संदीप शर्मा ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते

एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान मौजूद प्रतिभागी व वैज्ञानिक।

हुए नर्सरी में काफल स्टॉक तैयार करना, वर्मी कंपोस्टिंग तथा उच्च गुणवत्ता वाले पौध तैयार करने के बारे में जानकारी दी। उन्होंने काफल की अंकुरण समस्या, पौधरोपण तथा नर्सरी तकनीक तथा इसके अधिक पहलू के बारे में बताया। कार्यक्रम के अंत में वैज्ञानिक डॉ. संदीप शर्मा ने सभी प्रतिभागियों एवं विषय विशेषज्ञों का कार्यक्रम में भाग लेने तथा इसे सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया।

भ्रमण पर गए प्रतिभागी

इसी संदर्भ में एचएफआरआई के वैज्ञानिक पीएस नेगी ने महत्वपूर्ण वानिकी प्रजातियों के बीज के रख रखाव भंडारण तथा पूर्व बुआई तकनीकों से संबंधित जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम में प्रतिभागियों को संस्थान की आदर्श पौधशाला बड़ागांव में क्षेत्रीय भ्रमण पर ले जाया गया तथा वहां नर्सरी में तैयार काफल के पौधों के बारे में जानकारी प्रदान की गई। उन्हें नर्सरी में काफल के पौधे तैयार करने की तकनीक के बारे में अवगत कराया।

अमर उजाला **28/02/2017**

काफल की पौध तैयार करने के टिप्स दिए

शिमला। हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान ने सोमवार को नर्सरी में काफल की पौध तैयार करने के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यक्रम करवाया गया। शुभारंभ संस्थान के वन अरण्यपाल एसपी नेगी ने किया। कार्यक्रम के समन्वयक और वैज्ञानिक डॉ. संदीप शर्मा ने प्रशिक्षणार्थियों को नर्सरी में काफल स्टॉक तैयार करना, वर्मी कंपोस्टिंग तथा उच्च गुणवत्ता वाले पौध तैयार करने के बारे में जानकारी दी। वैज्ञानिक पीएस नेगी ने महत्वपूर्ण वानिकी प्रजातियों के बीज के रखरखाव, भंडारण तथा पूर्व बुआई तकनीकों से संबंधित जानकारी दी।